

KEVA

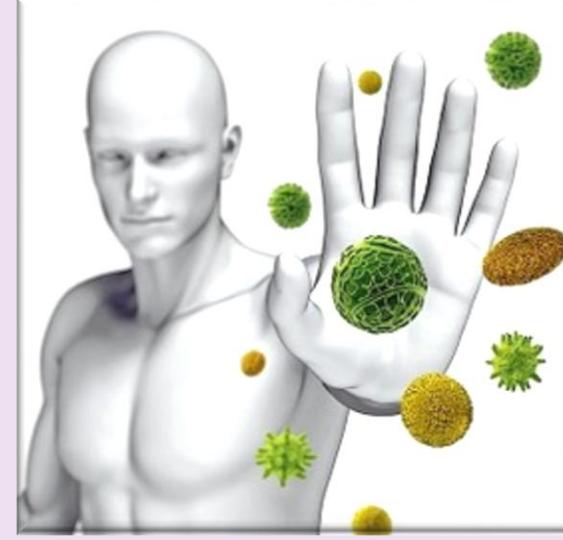


कीवा सिल्वर प्लस

सुपर आक्सीजन युक्त शुद्ध
चांदी को तरल रूप में
पहुंचाता है



KEVA



- ◉ तेजी से अवशोषित होने वाला तरल सूत्र
- ◉ सुपर चार्ज्ड इम्यून बूस्टर
- ◉ इसमें कोई ज्ञात एलर्जी नहीं है
- ◉ ग्लूटेन मुक्त
- ◉ सुरक्षित और किफायती

- ◉ कीवा सिल्वर प्लस एक आहार पूरक है जो शुद्ध हाइड्रो घोल में नैनो स्केल्ड चांदी के कणों को प्रदान करता है
- ◉ यह एक 100% प्राकृतिक उत्पाद है जो शुद्ध चांदी की 30 पीपीएम प्रति खुराक से अधिक है
- ◉ हम इस उच्च गुणवत्ता वाले सिल्वर को अधिकतम प्रभावशीलता के लिए खास तकनीक का उपयोग करते हैं।



30 पीपीएम क्यों?

- शुद्ध चांदी के 30 पीपीएम या 30 भाग प्रति मिलियन सुपरफाइन कण इलेक्ट्रो-मैग्नेटिक रूप से चार्ज हैं। चांदी के कण किसी भी रासायनिक या प्रोटीन, स्टेबलाइजर या कृत्रिम योजक की आवश्यकता के बिना हैं
- कीवा सिल्वर प्लस में पाया जाने वाला सिल्वर तकनीक अन्य सभी उत्पादों में अनोखा है। कीवा सिल्वर प्लस में समान श्रेणी के अन्य उत्पादों की तुलना में औसत दर्जे की ऊर्जा है। हर दिन सिल्वर ड्रॉप्स लेना एक अतिरिक्त प्रतिरक्षा प्रणाली होने जैसा है जो पूरे शरीर में मौजूद कई वायरस को प्रभावी ढंग से मार देता है



कीवा सिल्वर प्लस कैसे काम करता है?

- कीवा सिल्वर प्लस बीमारी फैलाने वाले बैक्टीरिया, वायरस, फंगस और परजीवी जैसे जीवों को ऑक्सीजन को आत्मसात करने से रोकता है और इसके परिणामस्वरूप वे सचमुच दम तोड़ देते हैं और मर जाते हैं।
- कीवा सिल्वर प्लस एंटीबायोटिक्स से थोड़ा अलग होता है। सूक्ष्मजीव, चाहे वे बैक्टीरिया, वायरस या कवक हों, उन्हें साँस लेने में मदद करने के लिए विशिष्ट एंजाइमों की आवश्यकता होती है। यह एक उत्प्रेरक के रूप में कार्य करता है जो सूक्ष्मजीवों से इन महत्वपूर्ण एंजाइमों को दुर्बल बनाता है। इस क्रिया के कारण सूक्ष्मजीव मर जाते हैं। यह सूजन को कम करने और घायल ऊतक के उपचार को बढ़ावा देने में मदद करता है।

इसके अलावा, एंटीबायोटिक्स एंजाइमों पर अपेक्षाकृत अंधाधुंध कार्य करते हैं, इस प्रकार, शरीर में लाभकारी एंजाइमों को कुछ नुकसान पहुंचाते हैं। हालांकि, कीवा सिल्वर प्लस केवल सूक्ष्मजीव के एंजाइम पर कार्य करता है, जिससे ऊतक कोशिका एंजाइम बरकरार रहता है।



लाभ



- कई अंतर्राष्ट्रीय नैदानिक परीक्षण पर आधारित
 - उत्कृष्ट इम्यून बूस्टर
 - ब्रॉड स्पेक्ट्रम और सूक्ष्मजीव इम्यून सपोर्ट



एंटी बैक्टीरियल

एंटी फंगल

एंटी वायरल

एंटी इन्फ्लेमेटरी

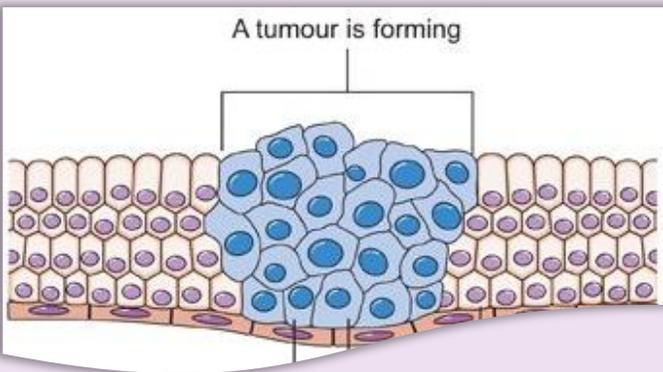


- एचआईवी के खिलाफ प्रभावी
- H1N1 फ्लू, बर्ड फ्लू (एवियन इन्फ्लुएंजा) के खिलाफ प्रभावी

HIV



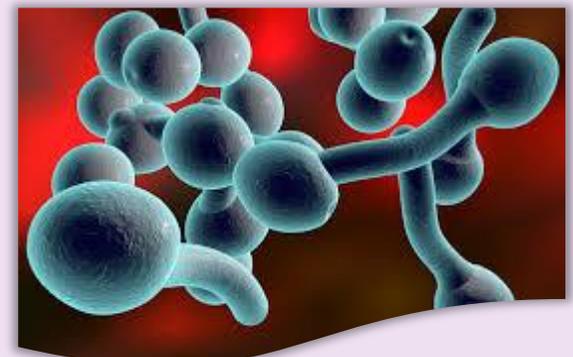
ट्यूमर के निर्माण से बचाता है



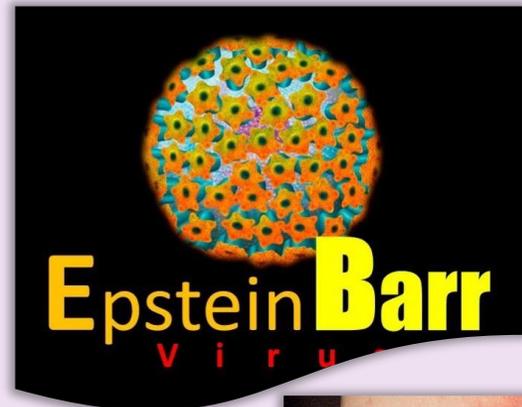
विभिन्न कैंसर पैदा करने वाले तत्वों को नष्ट करने में सहायक - कार्सिनोजेन



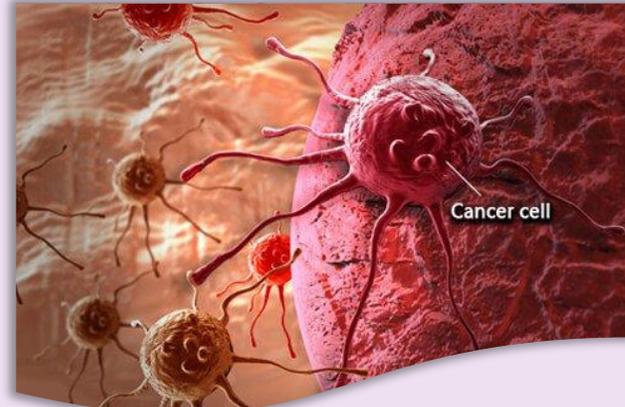
कैंडिडा के निर्माण के खिलाफ प्रभावी



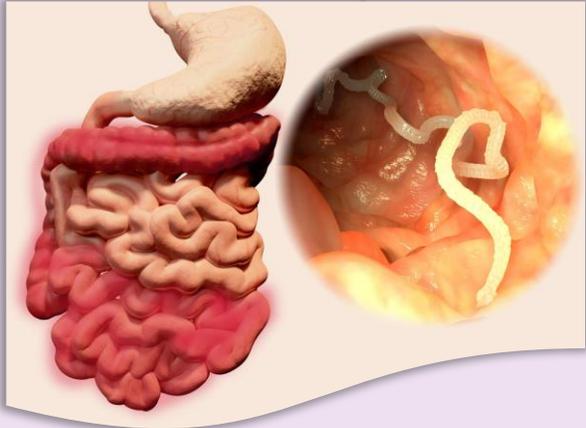
एपस्टीन बर्र के खिलाफ प्रभावी



कैंसर में सहायक



परजीवी के खिलाफ लड़ता है



लाइम रोग के खिलाफ प्रभावी



कीवा सिल्वर प्लस फंगस संक्रमण से कैसे लड़ता है?

एक कवक यानि फंगस, कोशिकाओं की एक श्रृंखला है जिसमें कोशिकाओं के बीच फैली हुई सेल की दीवार की सामग्री के छोटे ट्यूब होते हैं। कवक अभी भी किसी भी एक कोशिका वाले जीवाणु की विशेषता को दर्शाता है - एक रासायनिक फेफड़ा जो चांदी की उपस्थिति से स्थिर होता है। हमला करने वाले फंगस को खत्म करने में केवल कुछ मिनट लगते हैं



कीवा सिल्वर प्लस वायरल संक्रमण से कैसे लड़ता है?

वायरस शरीर के ऊतकों की जीवित कोशिका यानि सेल पर आक्रमण करता है। इस तरह वायरस सेल को हानि पहुंचाता है। कीवा सिल्वर प्लस में मौजूद सिल्वर का उत्प्रेरक प्रभाव एंजाइम को रोकता है जो फिर कोशिका में ऑक्सीजन लाने के लिए कार्य नहीं पाता है। वायरस पैदा करने वाली कोशिका अब मर जाती है और लाखों कोशिकाओं के साथ समाप्त हो जाती है जो प्रत्येक दिन अपनी उपयोगिता समाप्त कर देती हैं



कीवा सिल्वर प्लस परजीवी संक्रमण से कैसे लड़ता है?

कई दिनों के लिए बड़ी खुराक लेते हुए, एक विशेष अंग में छिपे छोटे, कृमि जैसे परजीवी के जीवन-चक्र को यह बाधित करता है। ये परजीवी अंडे देने से प्रजनन करते हैं जिनमें ऑक्सीजन-चयापचय करने वाले एंजाइम की वो ही विशेषता होती है जो कि आदिम कोशिका वाले जीवाणु में हैं। उनकी ऑक्सीजन की आपूर्ति के बिना ये अंडे आगे नहीं बढ़ सकते और इसलिए मर जाते हैं।



कीवा सिल्वर
प्लस कैसे बेहतर
है?



आसानी से अवशोषित हो जाता है

उच्च स्तर का सिल्वर मौजूद है

अपने मजबूत रोगाणुरोधी गुणों के लिए जाना जाता है

इसमें 30 पीपीएम चांदी है

चांदी के अन्य उत्पादों की तुलना में मजबूत



केवल शुद्ध सामग्री के साथ एक प्राकृतिक उत्पाद

30 पीपीएम सिल्वर सॉल्यूशन

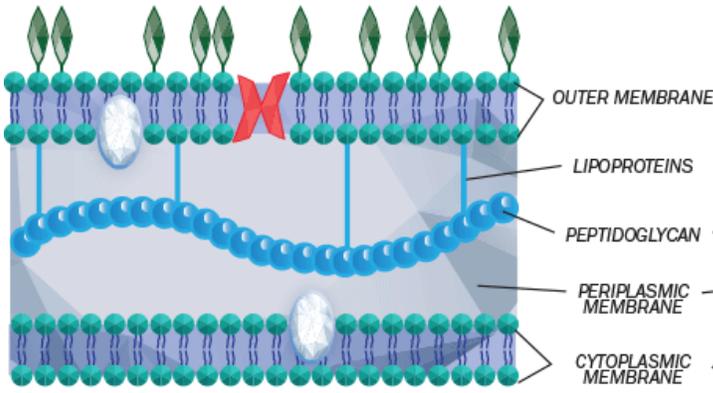
डॉक्टरों के अनुसार इस्तेमाल और अनुशंसित की गई मात्रा

तेजी से बीमारी फैलाने वाले सूक्ष्मजीवों की एक विशाल संख्या को मारता है; जीवित ऊतकों यानि टिशू को नुकसान पहुँचाए बिना, ग्राम-पॉजिटिव और ग्राम-नेगेटिव बैक्टीरिया के साथ-साथ वायरस, कवक को मारता है

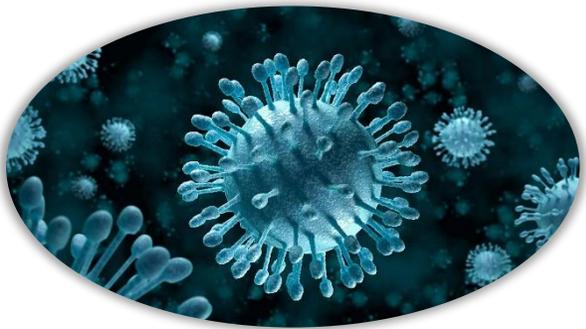
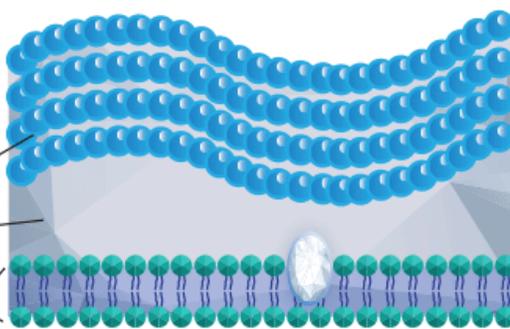


चांदी की प्रभावशीलता को अधिकतम करने के लिए इसके आविष्कारक और निर्माता से खास डिज़ाइन किया गया

GRAM-NEGATIVE



GRAM-POSITIVE



KEVA[®] Silver Plus
LIQUID
99.999% Pure Silver
Patent Pending Process
Scientifically Tested
30ppm Oligodynamic Silver
100% Natural
Tonic for Daily Immunity (Silver Plus) 8 fl. Oz. (236ml)

शुद्ध पानी में एक शुद्ध नैनो-स्केल सक्रिय चांदी के कण
निलंबन का निर्माण करके मनुष्यों के लिए 100% सुरक्षित

एक शुद्ध सलूशन; कोई मिश्रण नहीं और कोई
रसायन शामिल नहीं हैं

एक अद्भुत प्रक्रिया का उपयोग करके
उत्पादित किया गया जो समरूपता से
चांदी के कणों के छोटे आकार और
स्थिरता का निर्माण करता है



- कीवा सिल्वर प्लस ऑलिगोडायनामिक यानि अल्प सक्रिय है और चांदी का शुद्धतम रूप है जिसमे बिल्कल कोई दुष्प्रभाव नहीं है। यह महत्वपूर्ण है क्योंकि यह चांदी आयन है, जो पाँसिटीवेली रूप से चार्ज किया जाता है (एजी +) जो काम करता है। चांदी की बैक्टीरिया, वायरस और परजीवी के खिलाफ हत्या करने की क्षमता इस आयन की मात्रा के बराबर है। कण का आकार, एकाग्रता और चार्ज चांदी की प्रभावशीलता के तीन पैरामीटर हैं। लेकिन आम तौर पर कंपनियां कोलाइडल चांदी के उत्पाद बनाती हैं चांदी के साल्ट को ओलिगोडायनामिक सामग्री में बहुत कम कर रहे हैं।



ओलिगोडायनामिक प्रभाव

ऑलिगोडायनामिक प्रभाव धातुओं, विशेष रूप से भारी धातुओं का एक जैव-रासायनिक प्रभाव है, जो कम सघनता में भी होता है। स्वास्थ्य प्रभाव भारत में 2700 से अधिक वर्षों से जाना जाता था क्योंकि उनके प्राचीन ग्रंथ पानी की शुद्धता और अच्छे स्वास्थ्य के लिए पीतल के बर्तन लिखते हैं।

आधुनिक समय में, प्रभाव कार्ल विल्हेम वॉन नगेली द्वारा देखा गया था, हालांकि उन्होंने इस कारण की पहचान नहीं की थी।

प्राचीन भारत के विद्वानों के ग्रंथों ने धार्मिक क्रियाओं में पीतल और चांदी के उपयोग के साथ-साथ भोजन और पेय के उपभोग को बढ़ावा दिया।

प्राचीन भारतीय चिकित्सा पाठ सुश्रुत संहिता ने संक्रमण को रोकने के उपाय के रूप में सर्जिकल प्रक्रियाओं में विशिष्ट धातुओं के उपयोग को बढ़ावा दिया। ब्रास डोर्कनब्स और सिल्वरवेयर दोनों इस प्रभाव को एक हद तक प्रदर्शित करते हैं।



ओलिगोडायनामिक प्रभाव

बीमारी फैलाने वाले कीटाणु जो अब दवा चिकित्सा के प्रतिरोधी बन गए हैं, एक बढ़ती सार्वजनिक स्वास्थ्य समस्या है। इसलिए नए जीवाणुनाशक विकसित करने की तत्काल आवश्यकता है। चांदी नैनोकणों पसंद की धातु हैं क्योंकि वे रोगाणुओं को प्रभावी ढंग से मारते हैं। सिल्वर नैनोपार्टिकल्स ओलिगोडायनामिक प्रभाव का लाभ उठाते हैं जो चांदी का रोगाणुओं पर होता है। इस कार्य में, हमने पर्यावरणीय रूप से सौम्य सामग्री जैसे मेंथा पिपरिटा लीफ एक्सट्रैक्ट का उपयोग करके चांदी के नैनोकणों को संश्लेषित किया है।



प्रमाणीकरण



अनुशंसित खुराक

आयु	दिन 1 से 7	7 वें दिन बाद
12 साल से कम	आधा चम्मच दिन में तीन बार	एक चौथाई चम्मच दिन में तीन बार
12-17 साल	एक चम्मच एक दिन में दो बार	आधा चम्मच एक दिन में दो बार
18 वर्ष और उससे अधिक	एक चम्मच दिन में तीन बार	आधा चम्मच दिन में तीन बार



संपर्क करें

कीवा इंडस्ट्रीज

Website : www.kevaind.org

धन्यवाद

नोट: यह उत्पाद किसी भी बीमारी का इलाज, रोकथाम करने के लिए नहीं है। कृपया अपने स्वास्थ्य चिकित्सक से परामर्श करें।